9.12.24

Pg 1 B+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (चित्रलेखन)

पुस्तक - वीणा हिंदी व्याकरण - 7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा सातवीं की हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीणा -7 के पृष्ठ - 153 पर लिखे चित्र-लेखन के बारे में पढ़ेंगे।

चित्र वर्णन करने से पहले हम चित्रलेखन के सही तरीके के बारे में जानेंगे।

चित्र वर्णन करते समय छात्रों को चित्र से बनी हर चीज़ को ध्यान से देखना चाहिए। चेहरे के भाव पढ़ने चाहिए। चित्र में जो हो रहा है, उसे समझना, शब्दों में उतारना तथा कम से कम शब्दों तथा सुंदर, सरल भाषा में वर्णन करना चाहिए।

चित्र-लेखन करते समय ध्यान में रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बिंदु -

- चित्र को ध्यान से देखिए।
- चित्र में दिखाए गए दृश्य की पृष्ठभूमि का अनुमान लगाकर उसके आधार पर उससे संबंधित रूपरेखा बना लें।
- यदि किसी चित्र का संबंध किसी समस्या से है, तो उसके कारणों पर भी विचार करें।
- चित्र में दर्शाए गए दृश्य के अंतर्गत मुद्रित व्यक्तियों, वस्तुओं, प्राणियों तथा अन्य परिवेश आदि का वर्णन करें।

Scanned with CamScanner

9.12.24

Pg 2 B+

कक्षा- सातवीं शिक्षिका-सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (चित्रलेखन)

- आपकी भाषा सरल होनी चाहिए।
- चित्र से मिलने वाली प्रेरणा और संदेश पर भी प्रकाश डालें।
- चित्र-वर्णन संक्षिप्त एवं सारगर्भित हो, उसमें अनावश्यक विस्तार न हो। जो कुछ आप लिखें उसका सीधा संबंध चित्र से अवश्य होना चाहिए।
- वाक्यों में सूक्ति, मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुडौल और प्रभावशाली बनाते हैं।
- चित्र-वर्णन करने से बच्चों का बौद्धिक विकास होता है।

बच्चो! अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य :-

नीचे दिए चित्र को देखकर मन में उठ रहे भावों को अपनी लेखनी के माध्यम व्यक्त करो।जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए।

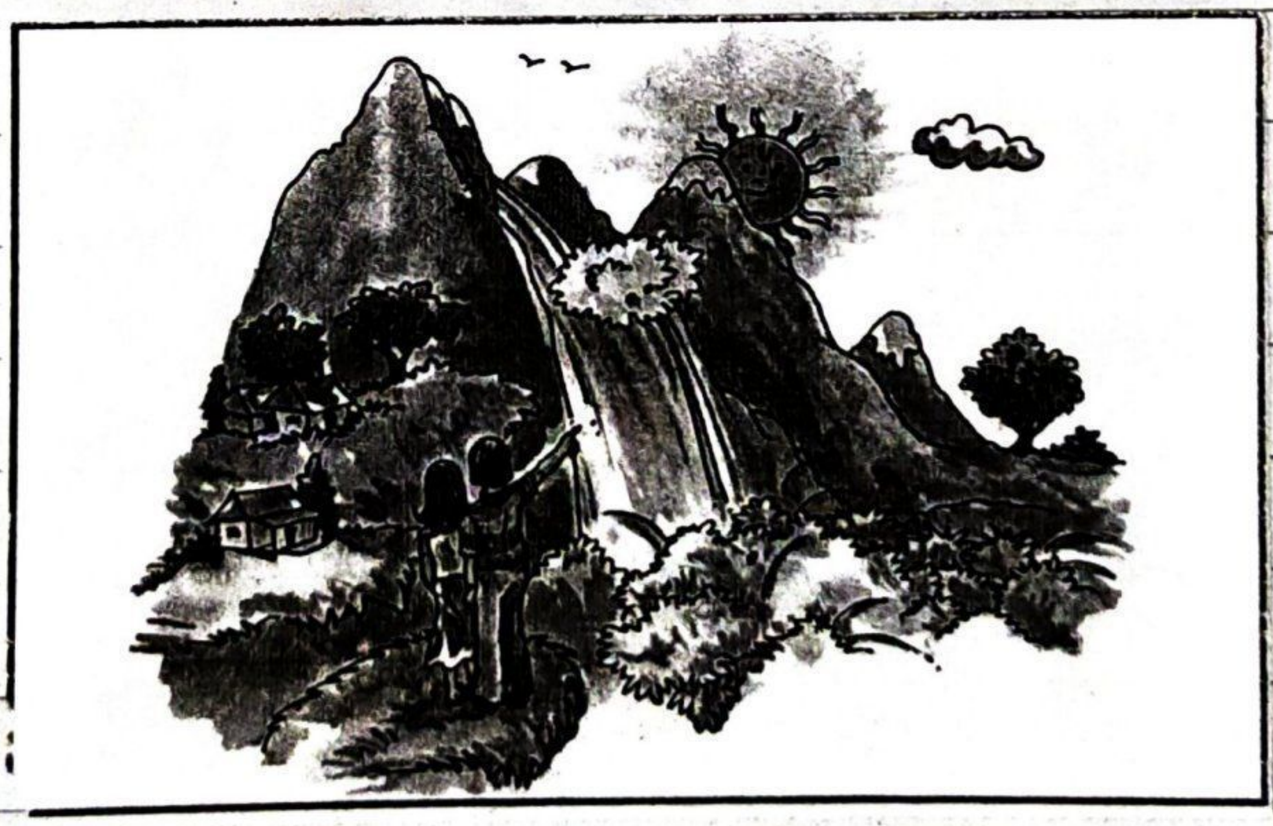

सब बच्चे चित्र का वर्णन कहानी या लेख के रूप में लिखेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner